हिन्दी (ऐच्छिक) +2 2024-2025

उच्चतर माध्यमिक स्तर में प्रवेश लेने वाला विद्यार्थी पहले बार सामान्य शिक्षा से विशेष अनुशासन की शिक्षा की ओर उन्मुख होता है। दस वर्षों में विद्यार्थी भाषा के कौशलों से परिचित हो जाता है। भाषा और साहित्य के स्तर पर उसका दायरा अब घर, आस–पड़ोस, स्कूल, प्रांत और देश से होता हुआ धीरे–धीरे विश्व तक फैल जाता है। वह इस उम्र में पहुँच चूका है कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं पर विचार–विमर्श कर सके, एक ज़िम्मेदार नागरिक की तरह अपनी ज़िम्मेदारियों को समझ सके तथा देश और खुद को सही दिशा दे सकने में भाषा की ताकत को पहचान सके। ऐसे दृढ़ भाषिक और वैचारिक आधार के साथ जब विद्यार्थी आता है तो उसे विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की व्यापक समझ और प्रयोग में दक्ष बनाना सबसे पहला उद्देश्य होगा। किशोरावस्था से युवावस्था के इस नाजुक मोड़ पर किसी भी विषय का चुनाव करते समय बच्चे और उनके अभिभावक इस बात को लेकर सबसे अधिक चिंतित रहते हैं कि चयनित विषय उनके भावी कैरियर और जीविका के अवसरों में मदद करेगा कि नहीं। इस उम्र के विद्यार्थियों में चिंतन और निर्णय करने की प्रवृत्ति भी प्रबल होती है इसी आधार पर वे अपने मानसिक, समाजिक, बौद्धिक और भाषिक विकास के प्रति सचेत होते है और अपने भावी अध्ययन की दिशा तय करते हैं दस स्तर पर ऐच्छिक हिंदी का अध्ययन एक सृजनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक और विभिन्न प्रयुक्तियों की भाषा के रूप में होगा। इस बात पर भी बल दिया जाएगा कि निंरतर विकसित होती हिंदी के अखिल भारतीय स्वरूप से बच्चे का रिश्ता बन सके।

इस स्तर पर विद्याार्थियों में भाषा के लिखित प्रयोग के साथ–साथ उसके मौखिक प्रयोग की कुशलता और दक्षता का विकास भी जरूरी है। प्रयास यह भी होगा कि विद्यार्थी अपने बिखरे हुए विचारों और भावों की सहज और मौलिक अभिव्यक्ति की क्षमता हासिल कर सके।

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से (1) विद्याार्थी अपनी रूचि और आवश्यकता के अनुरूप साहित्य का गहन और विशेष अध्ययन जारी रख सकेंगे। (2) विश्वविद्यालय स्तर पर निर्धारित हिंदी साहित्य से संबधित पाठ्यक्रम के साथ सहज संबंध स्थापित कर सकेंगे। (3) लेखन कौशल के व्यावहारिक और सृजनात्मक रूपों की अभिव्यक्ति में सक्षम हो सकेंगे। (4) रोजगार के किसी भी क्षेत्र में जाने पर भाषा का प्रयोग प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। और (5) यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को संचार तथा प्रकाशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता आजमाने के अवसर प्रदान कर सकता है।

उद्देश्य

- सृजनात्मक साहित्य की सराहना, उसका आनंद उठाना और उसके प्रति सृजनात्मक और आलोचनात्मक दृष्टि का विकास।
- साहित्य की विविध विधाओं (कविता, कहानी, निबंध आदि) महत्वपूर्ण कवियों और रचनाकारों, प्रमुख धाराओं और शैलियों का परिचय कराना।
- भाषा की सृजनात्मक बारीकियों और व्यावहारिक प्रयोग का बोध तथा उसका संदर्भ और समयके अनुसार प्रभावशाली ढंग से मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कर सकना।
- विभिन्न ज्ञानानुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता का बोध कराना।
- साहित्य की प्रभावकारी क्षमता का उपयोग करते हुए सभी प्रकार की विविधताओं (धर्म, जाति, लिंग, वर्ग, भाषा आदि) एवं अंतरों के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील रवैये का विकास कराना।
- देश–विदेश में प्रचलित हिंदी के रूपों से परिचित कराना।
- संचार–माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगत कराना और नवीन विधियों के प्रयोग की क्षमता का विकास करना।
- साहित्य की व्यापक धारा के बीच रखकर रचनाओं का विश्लेषण और विवेचन करने की क्षमता हासिल करना।
- विपरीत परिस्थितयों में भी भाषा का इस्तेमाल शांति के साथ करना।
- अमूर्त विषयों पर प्रयुक्त भाषा का विकास तथा कल्पनाशीलता और मौलिक चिंतन के लिए प्रयोग करना।

पाठ्यसामग्री और पाठ्य बिंदु

1) काव्य और गद्य संग्रह अन्तरा भाग–2 में प्रमुख रचनाकारों द्वारा लिखित विविध विधाओं से संबद्ध काव्य और गद्य (लगभग 20 पाठ) रचनाएँ होंगी। ये रचनाएँ रचनाकारों और विधाओं की विभिन्न शैलियों से विद्यार्थी को परिचित कराएँगी। रचनाओं में लेखक–परिचय में उनकी साहित्यिक पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्ति संक्षेप में दी जा सकती है। प्रश्न–अभ्यासों में ऐसे प्रश्न होंगे जो विद्यार्थी की सृजनात्मकता और मौलिकता का विकास कर सके। रचनाओं की प्रस्तुति इस प्रकार होगी कि विद्यार्थी में साहित्य के विकासात्मक स्वरूप ही समझ बन सके।

2) ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए पूरक पठन का प्रावधान–साहित्य की विविध विधाओं की रचनाओं का एक संकलन (अन्तराल भाग–2)

3) रचनात्मक और व्यावहारिक लेखन पर आधारित एक पुस्तक (कक्षा XI और कक्षा XII दोनों के लिए) अभिव्यक्ति और माध्यम। इस पुस्तक में निम्न विषय सम्मिलित होंगे।

सृजनात्मक लेखन–कविता, नाटक, डायरी, कहानी

सूचना तंत्र के लिए लेखन

(क) प्रिंटमाध्यम (समाचार पत्र और पत्रिका)

वृत्त लेखन, पुस्तक–समीक्षा, साक्षात्कार, समाजिक विषयों पर लेखन

(ख) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम

रेडियो–दूरदर्शन के लिए लेखन, समाचार लेखन

व्यावहारिक लेखन– प्रतिवेदन, कार्यसूची, कार्यवृत्त

अंतरा भाग–2

कविता खंड

आधुनिक

1. जयशंकर प्रसाद	(क) देवसेना का गीत)
	(ख)कार्नेलिया का गीत
2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	(क) सरोज स्मृति
3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन	(क) यह दीप अवेफला
'अज्ञेय'	(ख) मैंने देखा, एक बूँद
4. वेफदारनाथ सिंह	(क) बनारस
	(ख) दिशा
5. रघुवीर सहाय	(क) वसंत आया
	(ख) तोड़ो

प्राचीन

6. तुलसीदास	(क) भरत–राम का प्रेम
	(ख) पद
7. मलिक मुहम्मद जायसी	बारहमासा
8. विद्यापति	पद
9. घनानंद	कवित्त

गद्य–खंड

1. राजचंद्र शुक्ल	(प्रेमघन की छाया–स्मृति)
2. पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी	(सुमिरिनी के मनके)
3. फणीश्वरनाथ 'रेणु'	(संवदिया)
4. भीष्म साहनी	(गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात)
5. असगर वजाहत	(शेर, पहचान, चार हाथ, साझा)
6. निर्मल वर्मा	(जहाँ कोई वापसी नहीं)
7. ममता कालिया	(दूसरा देवदास
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी	(कुटज)

अंतराल भाग–2

1. सूरदास की झोंपड़ी	(प्रेमचंद)
2. बिस्कोहर की माटी	(विश्वनाथ त्रिपाठी)
3. अपना मालवा–खाऊ–उजाडू सभ्यता में	(प्रभाष जोशी)

निर्धारित पुस्तकें :– (1) अंतरा भाग–2 (पाठ्य पुस्तक) (हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)

(2) पूरक पुस्तक भाग–2 (हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)
(विविध विधाओं का संकलन)

(3) अभिव्यक्ति और माध्यम (हि.प्र. स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)